إِنَّ فِي خَلْقِ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَٱخْتِلَٰفِ ٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ
لَءَايَٰتٍ لِّأُو۟لِى ٱلْأَلْبَٰبِ ﴿١٩٠﴾ ٱلَّذِينَ يَذْكُرُونَ ٱللَّهَ قِيَٰمًا وَقُعُودًا
وَعَلَىٰ جُنُوبِهِمْ وَيَتَفَكَّرُونَ فِي خَلْقِ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ رَبَّنَا
مَا خَلَقْتَ هَٰذَا بَٰطِلًا سُبْحَٰنَكَ فَقِنَا عَذَابَ ٱلنَّارِ ﴿١٩١﴾ رَبَّنَآ
إِنَّكَ مَن تُدْخِلِ ٱلنَّارَ فَقَدْ أَخْزَيْتَهُۥ ۖ وَمَا لِلظَّٰلِمِينَ مِنْ
أَنصَارٍ ﴿١٩٢﴾ رَّبَّنَآ إِنَّنَا سَمِعْنَا مُنَادِيًا يُنَادِى لِلْإِيمَٰنِ أَنْ ءَامِنُوا۟
بِرَبِّكُمْ فَـَٔامَنَّا ۚ رَبَّنَا فَٱغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَكَفِّرْ عَنَّا سَيِّـَٔاتِنَا
وَتَوَفَّنَا مَعَ ٱلْأَبْرَارِ ﴿١٩٣﴾ رَبَّنَا وَءَاتِنَا مَا وَعَدتَّنَا عَلَىٰ رُسُلِكَ
وَلَا تُخْزِنَا يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ ۗ إِنَّكَ لَا تُخْلِفُ ٱلْمِيعَادَ ﴿١٩٤﴾
فَٱسْتَجَابَ لَهُمْ رَبُّهُمْ أَنِّى لَآ أُضِيعُ عَمَلَ عَٰمِلٍ مِّنكُم مِّن
ذَكَرٍ أَوْ أُنثَىٰ ۖ بَعْضُكُم مِّنۢ بَعْضٍ ۖ فَٱلَّذِينَ هَاجَرُوا۟
وَأُخْرِجُوا۟ مِن دِيَٰرِهِمْ وَأُوذُوا۟ فِى سَبِيلِى وَقَٰتَلُوا۟ وَقُتِلُوا۟
لَأُكَفِّرَنَّ عَنْهُمْ سَيِّـَٔاتِهِمْ وَلَأُدْخِلَنَّهُمْ جَنَّٰتٍ تَجْرِى مِن
تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ ثَوَابًا مِّنْ عِندِ ٱللَّهِ ۗ وَٱللَّهُ عِندَهُۥ حُسْنُ
ٱلثَّوَابِ ﴿١٩٥﴾ لَا يَغُرَّنَّكَ تَقَلُّبُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ فِى ٱلْبِلَٰدِ ﴿١٩٦﴾
مَتَٰعٌ قَلِيلٌ ثُمَّ مَأْوَىٰهُمْ جَهَنَّمُ ۚ وَبِئْسَ ٱلْمِهَادُ ﴿١٩٧﴾ لَٰكِنِ
ٱلَّذِينَ ٱتَّقَوْا۟ رَبَّهُمْ لَهُمْ جَنَّٰتٌ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ
خَٰلِدِينَ فِيهَا نُزُلًا مِّنْ عِندِ ٱللَّهِ ۗ وَمَا عِندَ ٱللَّهِ خَيْرٌ
لِّلْأَبْرَارِ ﴿١٩٨﴾ وَإِنَّ مِنْ أَهْلِ ٱلْكِتَٰبِ لَمَن يُؤْمِنُ بِٱللَّهِ وَمَآ

أُنزِلَ إِلَيۡكُمۡ وَمَآ أُنزِلَ إِلَيۡهِمۡ خَٰشِعِينَ لِلَّهِ لَا يَشۡتَرُونَ
بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ ثَمَنٗا قَلِيلًاۚ أُوْلَٰٓئِكَ لَهُمۡ أَجۡرُهُمۡ عِندَ رَبِّهِمۡۗ إِنَّ
ٱللَّهَ سَرِيعُ ٱلۡحِسَابِ ١٩٩ يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱصۡبِرُواْ
وَصَابِرُواْ وَرَابِطُواْ وَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ لَعَلَّكُمۡ تُفۡلِحُونَ ٢٠٠

Theme	
Signs from nature. Supplication of the believers. Acceptance of supplication by Allah. Do not be deceived by the unbelievers. Be patient and excel in patience.	क़ुदरत की निशानियाँ। अहल-ए-ईमान की दुआ। अल्लाह तआला की तरफ़ से दुआ की क़बूलियत। काफ़िरों के धोके में न आओ। सब्र करो और सब्र व इस्तिक़ामत में सबक़त ले जाओ।
Tarjumani	
Surely, in the creation of the heavens and the earth and the alternation of the night and the day, there are signs for men of understanding. Those who remember Allah while standing, sitting, and lying on their sides, and meditate on the creation of the heavens and the earth, then say: "Our Rabb! You have not created this in vain. Glory to You! Save us from the punishment of Fire. Our Rabb! Those whom You cast into the Fire will be in eternal shame: and there shall be no helper for such wrongdoers. Our Rabb! We have heard someone calling to the faith saying: 'Believe in your Rabb, so we have believed. Our Rabb! Forgive us	ज़मीन और आसमानों की पैदाइश में और रात और दिन के बारी-बारी से आने में उन होशमन्द लोगों के लिए बहुत निशानियाँ हैं जो उठाते, बैठते और लेटते, हर हाल में ख़ुदा को याद करते हैं और ज़मीन और आसमानों की साख्त में गौर व फ़िक्र करते है	(वे बेइखतियार बोल उठते हैं) "परवरदिगार, यह सब कुछ तूने फ़ुज़ूल और बेमकसद नहीं बनाया है, तू पाक है इससे कि अबस काम करे	पास ऐ रब, हमें दोज़ख के अज़ाब से बचा ले, तूने जिसे दोजख़ में डाला उसे दरहकीकत बड़ी जिल्लत व रुसवाई में डाल दिया, और फिर ऐसे ज़ालिमों का कोई मददगार न होगा	मालिक, हमने एक पुकारनेवाले को सुना जो ईमान की तरफ़ बुलाता था और कहता था कि अपने रब को मानो	हमने उसकी दावत कबूल कर ली	पस ऐ हमारे आका, जो

our sins, remove from us our evil deeds and make us die with the righteous. Rabb! Grant us what You have promised through Your Rasools and save us from the shame on the Day of Resurrection; Surely, You never break Your promise. So their Rabb answers their prayers, saying: "I will not let the good deed of any worker among you, whether a male or a female, be wasted. You are the offspring of one another. Those who had to leave their homes or were expelled therefrom, and those who suffered persecution for My sake and fought and were killed: I will forgive them their sins and admit them into gardens beneath which the rivers flow; a prize from Allah, and Allah holds the finest prize! Do not be deceived by the free movement of the unbelievers in this land. Their enjoyment is brief. Their ultimate home shall be hell, an evil resort. As for those who fear their Rabb, there shall be gardens beneath which rivers flow, they will live therein forever, this will be their welcome from Allah, and what Allah possesses is the best for righteous people. There are some among the people of the Book who truly believe in Allah and what has been revealed to you, O Muhammad, and what has been revealed to them before you. They	कुसूर हमसे हुए हैं उनसे दरगुज़र फरमा, जो बुराइयाँ हममें हैं उन्हें दूर कर दे और हमारा खात्मा नेक लोगों के साथ कर	ख़ुदावन्दा, जो वादे तूने अपने रसूलों के ज़रीए से किए हैं उनको हमारे साथ पूरा कर और क़ियामत के दिन हमें रुसवाई में न डाल, बेशक तू अपने वादे के ख़िलाफ़ करनेवाला नहीं है |" जवाब में उनके रब ने फ़रमाया, "मै तुममें से किसी का अमल ज़ाया करनेवाला नहीं हूँ	खाह मर्द हो या औरत, तुम सब एक दूसरे के हम-जिन्स हो	लिहाज़ा जिन लोगों ने मेरी खातिर अपने वतन छोड़े और जो मेरी राह में अपने घरों से निकाले गए और सताए गए और मेरे लिए लड़े और मारे गए, उनके सब कुसूर मैं माफ़ कर दूँगा और उन्हें ऐसे बाग़ों में दाख़िल करूँगा जिनके नीचे नहरें बहती होंगी	यह उनकी ज़ज़ा है अल्लाह के यहाँ, और बेहतरीन ज़ज़ा अल्लाह ही के पास है |" ऐ नबी, दुनिया के मुल्कों में ख़ुदा के नाफरमान लोगों की चलत-फिरत तुम्हें किसी धोखे में न डाले	यह महज चन्द रोज़ा ज़िन्दगी का थोड़ा-सा लुत्फ़ है, फिर ये सब जहन्नम में जाएँगे जो बदतरीन जाए-करार है	बरअक्स इसके जो लोग अपने रब से डरते हुए ज़िन्दगी बसर करते हैं उनके लिए ऐसे बाग़ हैं जिनके नीचे नहरें बहती हैं, उन बाग़ों में वे हमेशा रहेंगे, अल्लाह की तरफ़ से यह सामने-ज़ियाफ़त है उनके लिए, और जो कुछ अल्लाह के पास है नेक लोगों के लिए वही सबसे बेहतर है	अहले-किताब में भी कुछ लोग ऐसे हैं जो अल्लाह को मानते हैं, इस किताब पर ईमान लाते हैं जो तुम्हारी तरफ़ भेजी गई है और उस किताब पर भी

humble themselves before Allah and do not sell the revelations of Allah for a petty price. For them, there will be a reward from their Rabb. Surely, Allah is very swift in settling the accounts. O believers! Be patient, excel in patience during confrontation, hold yourselves ready for battle and have fear of Allah so that you may be successful.	ईमान रखते हैं जो इससे पहले ख़ुद उनकी तरफ़ भेजी गई थी, अल्लाह के आगे झुके हुए हैं, और अल्लाह की आयात को थोड़ी-सी कीमत पर बेच नहीं देते	उनका अज्र उनके रब के पास है और अल्लाह हिसाब चुकाने में देर नहीं लगाता	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, सब्र से काम लो, बातिलपरस्तों के मुक़ाबले में पामर्दी दिखाओ, हक़ की ख़िदमत के लिए कमारबस्ता रहो और अल्लाह से डरते रहो, उम्मीद है कि फ़लाह पाओगे	
Tafsir	